an>

title: Need to introduce a train service between Allahabad and Ajmer via Guna and Maxi in Madhya Pradesh.

श्री रोड़मल नागर (राजगढ़) : महोदय, भारत एक संस्कृति प्रधान देश है और यहां कई ऐसे स्थान हैं जो सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व रखते हैं। इसी क्रम में ऐतिहासिक और धार्मिक नगरी के रूप में इलाहाबाद और अजमेर का नाम प्रमुखता से लिया जाता है। इन दोनों नगरों को जोड़ने के लिए तो बहुत सी रेलगाड़ियों का परिचालन होता है, मगर गुना-मक्सी ट्रैक होते हुए कोई भी रेलगाड़ी का परिचालन नहीं होता है। इस ट्रैक से अगर रेलगाड़ी का परिचालन होता है तो रेल मंत्रालय के साथ-साथ वहां की आम जनता के लिए भी काफी उपयोगी सिद्ध होगा। इस रेलगाड़ी को इलाहाबाद से माणिकपुर, करवी, झांसी, बीना, गुना ब्यावरा, मक्सी, उज्जैन, मंदसौर, नीमच एवं चित्तौड़ होते हुए अजमेर तक चलाया जा सकता है। इस ट्रैक पर रेलगाड़ी चलाने का एक मकसद और भी है, क्योंकि इस रेलगाड़ी से धर्म प्रेमी श्रद्धालुओं को गंगा स्नान, चित्रकूट, ओरछा, उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर, पशुपतिनाथ, माउंट आबू, पुष्कर और अजमेर शरीफ आने-जाने में काफी सुविधा होगी। वर्तमान में इस क्षेत्र के लोगों को इन स्थानों पर जाने के लिए किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं है। इस क्षेत्र की जनता के पास रेलवे द्वारा इन स्थानों पर आने-जाने का साधन नहीं है। इस क्षेत्र की आबादी लगभग 2 करोड़ है और रेलवे को इस रेलगाड़ी के परिचालन से ज्यादा से ज्यादा राजस्व की भी प्राप्ति होगी।

दूसरी बात, इस ट्रैक पर रेलगाड़ी के परिचालन से पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और वहां के लोगों को रोजगार की भी प्राप्ति होगी। इसके साथ-साथ में एक बात और कहना चाहूंगा कि इस ट्रैक पर रेलगाड़ी के परिचालन के लिए अलग से ट्रैक बिछाने की जरूरत नहीं होगी, क्योंकि गुना-मक्सी ट्रैक पहले से कार्य कर रहा है और ज्यादा समय खाली पड़ा रहता है।

अतः सदन के माध्यम से मेरा केन्द्र सरकार से अनुरोध है कि गुना-मक्सी ट्रैक पर इलाहाबाद से अजमेर तक रेलगाड़ी का परिचालन जल्द से जल्द प्रारम्भ किया जाए ताकि आम जनता के साथ-साथ पर्यटकों को भी इस सुविधा का लाभ मिल सके एवं ऐतिहासिक और धार्मिक महत्व के पर्यटक स्थलों तक पहुंच सुगम हो सके।